DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

6 दैनिक जागरण नई दिल्ली, 17 जून, 2022 दिल्ली जागरण www.jagran.com

----------DATED----------

नरेला में 21 एकड़ में बनेगा देश का पहला ई-वेस्ट इको पार्क

डीडीए की बैठक में मिलेगी उपराज्यपाल की अनुमति

संजीव गुप्ता • नई दिल्ली

- राजधानी में होगी यह बड़ी पहल
- पर्यावरण को ध्यान में रख होगा काम

राजधानी में इलेक्ट्रानिक कचरा (ई-वेस्ट) निपटान के लिए बड़ी पहल शुरू कर दी गई है। नरेला में 21 एकड़ क्षेत्र में देश का पहला ई-वेस्ट इको पार्क बनाया जाएगा। 22 जून को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) बोर्ड की प्रस्तावित बैठक में इस पार्क के निर्माण के लिए भू उपयोग परिवर्तन (लैंड यूज चेंज) को स्वीकृति दी जाएगी।

यह बैठक उपराज्यपाल और डीडीए के अध्यक्ष वीके सक्सेना की अध्यक्षता में राजनिवास में होगी। डीडीए के एक आला अधिकारी ने बताया कि इस बैठक में लगभग 21 एकड़ में बनने वाले इको पार्क के लिए लैंड यूज चेंज रेजीडेंशियल-आरडी कैटेगरी से यूटीलिटी-यू 4 में करने का प्रस्ताव लाया जाएगा। इस दिशा में तमाम औपचारिकताएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं। दिल्ली सरकार द्वारा बनाया जाने वाला यह ई-वेस्ट मैनेजमेंट पार्क पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए काम करेगा।

स्टेट आफ आर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस होगा इको पार्क: यह पार्क स्टेट आफ आर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस होगा जहां सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक कचरे का निपटान वैज्ञानिक और पर्यावरणीय मापदंड के अनुसार किया जाएगा। पार्क में असंगठित क्षेत्र के आपरेटरों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एक ही परिसर में ई-वेस्ट को रिफर्बिश, डिसमेंटर, रिसाइकल व री-मैनुफैक्चर करने का काम किया जाएगा।

12 जोन में बनेंगे संग्रहण केंद्र: ई-वेस्ट निपटान के लिए 12 जोन में संग्रहण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में दिल्ली में हर साल लगभग दो लाख टन ई-वेस्ट निकलता है और इसे ज्यादातर असंगठित क्षेत्र के द्वारा री-साइकिल किया जाता है।

इस पार्क में सभी प्रकार की प्रक्रिया और री-साइकिल यूनिट होंगी ताकि भविष्य में इनसे उत्पादन के लिए भी सामग्री निकाली जा सके। असंगठित क्षेत्र को जोड़ने के लिए एक संस्थागत तंत्र तैयार किए जाने की जरूरत पर उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जोर दे चुके हैं। उनका मानना है कि कबाड़ी वाले, कचरा बीनने वाले और गैर सरकारी संगठन भी शामिल किए जाएं।

बोर्ड बैठक में इन प्रस्तावों को भी मिलेगी स्वीकृति

डीडीए बोर्ड बैठक में वसंत विहार में बनने वाले राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल (एनडीआरएफ) के मुख्यालय के लिए भी लैंड यूज चेंज का प्रस्ताव लाया जा रहा है। साथ ही डीएमआरसी प्रोजेक्ट फेज तीन के तहत कश्मीरी गेट पर बनने वाले एक इलेक्ट्रिक सब स्टेशन के लिए भी लैंड यूज चेंज का प्रस्ताव रखा जाएगा।

सराय काले खां में बनेगा एक और वन-वे फ्लाईओवर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : रिंग रोड पर सराय काले खां में यातायात जाम को दूर करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एक कदम और आगे बढ़ गया है। यहां बनने वाले वन-वे फ्लाईओवर निर्माण को दिल्ली अर्बन आर्ट कमीशन (डीयूएसी) ने मंजूरी दे दी है। पीडब्ल्यूडी फ्लाईओवर के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी करने जा रहा है। विभाग की योजना अगले तीन माह में जमीन पर काम शुरू कर देने की है।

सराय काले खां बस अड्डे के सामने पहले से तीन लेन का वन-वे फ्लाईओवर बना है। अभी इस फ्लाईओवर से आश्रम की ओर से आकर वाहन चालक आइटीओ या यमुनापार की ओर जाते हैं। इसी के साथ अब एक और सिंगल फ्लाईओवर बनेगा। बनने वाले इस तीन लेन के फ्लाईओवर से लोग आइटीओ और यमुनापार की ओर से आकर आश्रम की ओर जा सकेंगे। इससे उन्हें सराय काले खां पर जाम में नहीं फंसना पड़ेगा। फ्लाईओवर निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इस पर 57.7 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। फ्लाईओवर करीब 600 मीटर लंबा होगा। इसके ठीक नीचे टी-जंक्शन पर दो यूटर्न भी बनाए जाएंगे। मंजूरी के लिए परियोजना को दिल्ली अर्बन बार्ट कमीशन (डीयूएसी) में लगाया गया था, जिस पर करीब आठ दिन पहले डीयूएसी ने अनुमति दे दी है।इससे इस परियोजना पर काम करने का रास्ता साफ हो गया है।इस परियोजना के लिए किसी भी एजेंसी से अनुमति लेने की जरूरत नहीं बची है।

फ्लाईओवर से लोग आइटीओ और यमुनापार की ओर से आकर आश्रम की ओर जा सकेंगे, सराय काले खां पर जाम में नहीं फंसेंगे

57.7 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे तीन लेन के नए फ्लाईओवर को बनाने में

600 मीटर लंबा होगा वन-वे फ्लाईओवर, इसके ठीक नीचे टी-जंक्शन पर दो यूटर्न भी बनेंगे

हालांकि, कुछ साल पहले पीडब्ल्यूडी ने आइटीओ और यमुनापार की ओर से आकर आश्रम की ओर जाने के लिए सराय काले खां के सामने जाम वाले स्थान पर यमुना खादर की तरफ एक अतिरिक्त सड़क बना दी है। डीडीए से जमीन लेकर बनाई गई इस सड़क से लोगों को जाम से कुछ राहत मिली है। मगर इसे स्थायी समाधान नहीं माना जा रहा है। सराय काले खां पर जाम की समस्या दूर करने की कोशिशों की बात करें तो 14 साल पहले भी इस प्वाइंट पर फ्लाईओवर बनाने की योजना बनी थी। मगर बाद में इस योजना को निरस्त कर दिया गया था। सराय काले खां में रेलवे स्टेशन पहले से ही बना है। मगर जब से यहां से दक्षिण भारत के लिए ट्रेनें शुरू हुई हैं, यहां यातायात का दबाव बढ़ गया है। यहां अंतरराज्यीय बस अड्डा है, मेट्रो स्टेशन है और अब रैपिड रेल का भी स्टेशन बन रहा है। यहां भीड़ बढ़ेगी और आज जितना जाम लगता है, उससे कहीं अधिक जाम लगेगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI ---------DATED FRIDAY, JUNE 17, 2022

Good sport! DDA to open its 15th complex soon, 4 more to follow

Sidhartha.Roy
@timesgroup.com

New Delhi: In the next few months, the Delhi Development Authority will open a new sports complex in the capital, taking the total number of such facilities it manages to 15. Work on four more sports complexes, which will also be DDA's first 'Centres of Excellence', are also partially complete and these will open next year.

"DDA is going to commission the sports complex at Dwarka Sector-17 this year and though not a centre of excellence, it will offer a lot of facilities," a DDA official said on the condition of anonymity.

The upcoming sports complex at Dwarka Sector-17 is spread over an area of 23.7 acres and the approximate project cost is Rs 41 crore. Outdoor facilities at the complex will include cricket, hockey and football grounds, tennis and volleyball courts, skating rink, jogging track, etc.

Apart from a swimming pool and gymnasium, the indoor facilities will be available for badminton, taekwondo, squash, boxing, cue sports, aerobics, etc. Other amenities will include basement parking, a cafeteria and a coffee shop.

The official said that four centres of excellence, at Dwarka's Sector 8, 19, and 23, and one at Rohini Sector-33, would be ready by next year. "DDA is also developing a golf course at Dwarka Sector-24, which will also be opened next year," he said.

The official also said that work has been awarded for the construction of an 'integrated' international sports complex at Dwarka's Sector 19B, which will also be its first sports complex to be built, operated and maintained under the Public Private Partnership model.

He said that the centres of excellence' where athletes will get intensive and advanced training to prepare for Commonwealth, Asian and Olympic Games. DDA is going to build a total seven such centres in the capital, each of which will focus on different disciplines.

While the centre of excellence at Dwarka Sector-23 will focus on hockey and football, the Rohini Sector-33 centre will be for aquatics, Dwarka Sector-19 for tennis and shooting, and Dwarka Sector-8 for wrestling, weightlifting, boxing, judo and kabaddi.

The integrated sports complex at Dwarka Sector 19-B, the biggest DDA sports complex till date, will come up on a site measuring 52 acres and feature a football stadium with 7,000 seating capacity and a practice field, with facilities of FIFA-compliance standards.

WHAT'S IN STORE

1 Sports complex, Dwarka Sector-17
23.7 acres Area | ₹41cr Cost
Completion target 2022

2 Sports complex, Dwarka Sector-23,
Centre of Excellence in Hockey and Football
17.5 acres Area | ₹16.3cr Cost
Completion target 2023

3 Sports complex, Dwarka Sector-8,
Centre of Excellence in Wrestling, Weightlifting, Boxing, Judo and Kabaddi
23.3 acres Area | ₹19cr Cost
Completion target 2023

4 Sports complex, Sector-19, Dwarka,
Centre of Excellence in Tennis and Shooting
19.9 acres Area | ₹22.2cr Cost
Completion target 2023

5 Dwarka Sector-19 B
Integrated Sports Complex
52 acres Area | ₹250cr Cost
Status Work awarded

Artist's impression

Proposed sports complex at Dwarka Sector-19

6 Sports complex, Rohini Sector-33,
Centre of Excellence in Aquatics
22.8 acres Area | ₹27.4cr Cost
Completion target 2023

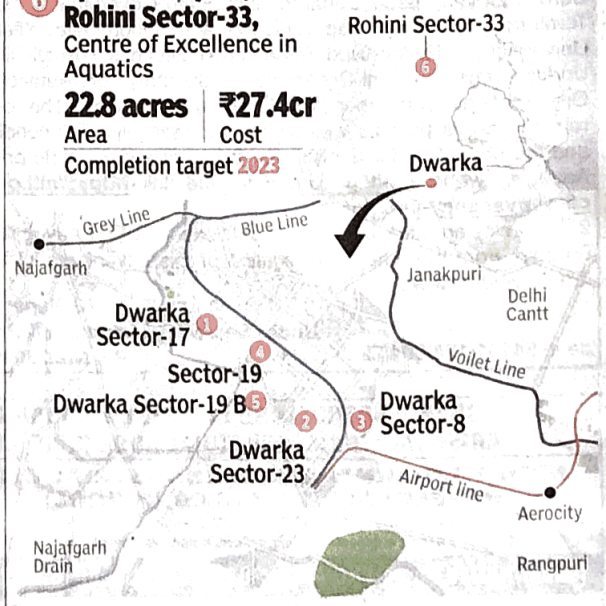

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली। शुक्रवार, 17 जून 2022

रोहिणी के कई सेक्टरों में सड़कों की मरम्मत शुरू

■ शमसे आलम, रोहिणी

रोहिणी के कई सेक्टरों में सड़कों की मरम्मत का काम पिछले कई दिनों से जारी है। मॉनसून से पहले ही इन सभी सड़कों की मरम्मत होनी है, ऐसे में तेजी से काम किया जा रहा है। जिससे बारिश होने पर काम प्रभावित ना हो। इसके साथ ही लोगों को इन सेक्टरों में पिछले साल की तरह जलभराव की समस्या से ना जूझना पड़े। हालांकि कई दूसरे सेक्टरों में अभी भी सड़कों की मरम्मत का काम शुरू नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। लोगों ने बारिश के मौसम से पहले काम पूरा करने की मांग की, ताकि जलभराव की समस्या से ना जूझना पड़े।

रोहिणी सेक्टर-20 से 24 और 27 में कई सड़कों की मरम्मत की जा रही है। इसके साथ ही कुछ जगहों पर जर्जर सीवर लाइन भी बदली जा रही हैं। बांस वाला पार्क मेन रोड पर सीवर लाइन और आरसीसी सीवर ड्रेन बनाने का काम कई दिनों से हो रहा है। वहीं सेक्टर-20, 21 और 22 को मेन कंझावला रोड से जोड़ने वाली सभी सड़कों की मरम्मत हो रही है। रोड की मरम्मत का काम डीडीए कर रही है, वहीं सीवर लाइन डालने का काम दिल्ली जलबोर्ड कर रहा है।

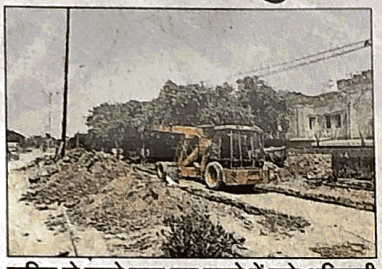

बारिश से पहले काम पूरा करने में जुटे अधिकारी

दोनों ही डिपार्टमेंट ने मॉनसून से पहले ही काम पूरा करने का टारगेट रखा है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि जल्द से जल्द काम पूरा करने में जुटे हैं, ताकि इस बार यहां के लोगों को जलभराव की समस्या से ना जूझना पड़े।

ड्रेन का पानी भरने से टूट जाती है सड़क : लोगों ने बताया कि रोहिणी सेक्टर-21 के सामने रमेश एनक्लेव से गुजर रहे ड्रेन का पानी ओवरफ्लो होकर आए दिन रोहिणी सेक्टर-21 की 100 फुटा रोड और सीएनजी पंप वाली रोड पर भर जाता है। कई दिनों तक पानी जमा रहने से सड़क टूट जाती है।

Hindustan Times

DDA AWARDS WORK FOR MULTI-SPORTS FACILITY IN DWARKA

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) has awarded the work for the construction of an international cricket and footfall stadium in Dwarka. The state-of-the-art stadium that can seat 30,000 spectators will be the first government sports facility to be developed on Public Private Partnership basis.

This ₹350-crore facility, spread over 54 acres, will be ready by the end of 2024, a senior DDA official saidi.

A senior DDA official said, "The work for the integrated multi-sports facility has been awarded. The concessionaire will not only construct the facility but also manage it for a period of 30 years." HTC

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER पंजाब केसरी ----------DATED 17-06-2022

22 जून को बैठक, नरेला इलाके के 21 एकड़ क्षेत्र में बनेगा इको पार्क

डीडीए बोर्ड बैठक में मिलेगी इको पार्क के लैंड यूज़ चेंज को स्वीकृति

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राजधानी में ई कचरा निबटान के लिए बड़ी पहल शुरु कर दी गई है। दिल्ली के नरेला इलाके के 21 एकड़ क्षेत्र में देश का पहला ई-वेस्ट इको पार्क बनाया जाएगा। 22 जून को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की बोर्ड बैठक में इस इको पार्क के निर्माण के संबंध में भू उपयोग परिवर्तन (लैंड यूज चेंज) को स्वीकृति दी जायेगी। डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि आगामी 22 जून को डीडीए बोर्ड बैठक आयोजित होगी,इसमें लगभग 21 एकड़ में बनने वाले इको पार्के के लिए लैंड यूज चेंज रेजीडेंशियल-आरडी कैटेगरी से यूटीलिटी-यू 4 में करने का प्रस्ताव लाया जाएगा।

दिल्ली सरकार द्वारा बनाये जाने वाला यह ई-वेस्ट मैनेजमेंट पार्क बेहद साइंटिफिक तरीके से पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए काम करेगा। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा बोर्ड बैठक में वसंत विहार में बनने वाले नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) के मुख्यालय के लिए भी एक लैंड यूज चेंज का प्रस्ताव बैठक में आयेगा। साथ ही डीएमआरसी प्रोजेक्ट फेज तीन के तहत कश्मीरी गेट पर बनने वाले एक इलेक्ट्रिक सब स्टेशन के लिए भी लैंड यूज चेंज का प्रस्ताव रखा जाएगा।

स्टेट ऑफ आर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस होगा इको पार्क

21 एकड़ में फैला यह वेस्ट-मैनेजमेंट पार्क स्टेट ऑफ आर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस होगा जहां सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक कचरे का निबटान वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय मांपदंडों के अनुसार किया जायेगा। पार्क में इनफॉर्मल सेक्टर के ऑपरेटरों को फॉर्मल री-साइकिलिंग के लिए भी ट्रेनिंग दी जाएगी।

12 जोन में स्थापित होंगे कलेक्शन सेंटर

ई-वेस्ट को चैनलाइज करने के लिए 12 जोन में कलेक्शन सेंटर स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में दिल्ली में हर साल लगभग 2 लाख टन ई-कचरा निकलता है और इसे ज्यादातर इनफॉर्मल री-साइकलर्स द्वारा री-साईकल किया जाता है। ई-वेस्ट ईको-पार्क में प्रोसेसिंग और री-साइकल यूनिट होंगी ताकि इनसे उत्पादन के लिए सामग्री निकाली जा सके।

ई-वेस्ट संग्रह व प्रोसेसिंग में जुड़ेंगे असंगठित क्षेत्र

इको पार्क के मद्देनजर ई-वेस्ट संग्रह और प्रोसेसिंग में असंगठित क्षेत्र को जोड़ने के लिए एक संस्थागत तंत्र तैयार किये जाने की जरूरत पर एलजी व सीएम जोर दे चुके हैं। उनका मानना है ई-वेस्ट संग्रह और प्रोसेसिंग में पारंपरिक कबाड़ी वाले, कूड़ा बीनने वाले और गैर सरकारी संगठन भी शामिल किये जाएं।